IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, November 2025 Impact Factor: 7.67

ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं उद्यानिकी फसलें मध्य प्रदेश के संदर्भ में एक अध्ययन

विक्रम यादव

शोधार्थी, वाणिज्य विभागसनराइज विश्वविद्यालय अलवर (राजस्थान)

डॉ. रामबीर

शोध मार्गदर्शक, सहायक प्राध्यापकवाणिज्य विभागसनराइज विश्वविद्यालय अलवर (राजस्थान)

प्रस्तावना –मध्य प्रदेश कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। राज्य की कुल कार्यशील जनसंख्या का 69 प्रतिशत भाग अपनी आजीविका के लिये कृषि पर निर्भर है तथा ग्रामीण कार्यशील जनसंख्या का 85.6 प्रतिशत भाग आजीविका के लिये कृषि पर निर्भर है। राज्य की कुल जनसंख्या 7,25,97,565 है जिसमें 5,25,37,899;72.37 प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है। प्रदेश देश का ऐसा राज्य है जहाँ लगभग सभी प्रकार की फसलों का उत्पादन किया जाता है। खाद्यान्न फसलें;गेहूँ, चावल, मक्का, ज्वार, बाजराद्ध दलहन फसलें;चना, अरहर, मूंग, उड़द, मसूरद्ध, तिलहन फसलें;सोयाबीन, सरसों, तिल, मूंगफलीद्ध, वाणिज्यिक फसलें;गल्ला, कपासद्ध, मसाला फसलें;मिर्च, धनियां, हल्दी, लहसुन, अदरकद्ध, सब्जियां;आलू, शकरकन्द, प्याज, मटर, टमाटर, चुकन्दर इत्यादिद्ध, फल फसलें;केला, आम, सन्तरा, पपीताद्ध तथा फूल वाली फसलें;गैंदा, गुलाबद्ध प्रदेश की प्रमुख कृषि उपजे हैं। सोयाबीन, चना एवं दालो के उत्पादन में मध्य प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। तिलहन के उत्पादन (20.4%) में देश में दूसरे स्थान पर है। सरसों (10.46%) एवं ज्वार (8.26%) के उत्पादन की दृष्टि से देश में तीसरा राज्य है। गेहूँ उत्पादन में भी तीसरे स्थान पर है। प्रदेश कृषि उत्पादन की दृष्टि से देश का अग्रणी राज्य बन गया है। वर्ष 2020–21 तथा 2012–2013 में राज्य की कृषि विकास दर क्रमशः 18.89% तथा (24.8%) रही, जो देश में सबसे अधिक विकास दर है। प्रदेश के कृषि उत्पादन तथा कृषि विकास दर में उद्यानिकी क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/568